

## स्वदेश दर्शन योजना: ट्राइबल टूरिज़्म सर्कटि पहला फेज पूरण

### चर्चा में क्यों?

25 अप्रैल, 2022 को पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 'स्वदेश दर्शन योजना' के तहत राज्य के वनांचल क्षेत्र में 'ट्राइबल टूरिज़्म सर्कटि' बनाने के प्रथम फेज का कार्य पूरण कर लिया गया है। इसकी लागत 94 करोड़ 23 लाख रुपए है।

### प्रमुख बंदि

- योजना के तहत जशपुर-कुनकुरी-कमलेश्वरपुर-मैनपाट-महेशपुर-कुरदर-सरोधा दादर-गंगरेल-नथयानवागाँव-कोण्डागाँव-जगदलपुर-चत्रिकोट-तीरथगढ़ को 'ट्राइबल टूरिज़्म सर्कटि' बनाने के प्रथम फेस का कार्य पूरण हो चुका है।
- 'स्वदेश दर्शन योजना' के तहत ट्राइबल टूरिज़्म सर्कटि के लिये चहिनांकित जशपुर को एथनिक पर्यटन ग्राम के रूप में वकिसति कयिा गया है। वही कुनकुरी में मार्ग सुवधि केंद्र, कमलेश्वरपुर में इको एथनिक डेस्टीनेशन, मैनपाट में इको एथनिक डेस्टीनेशन-पर्यटन सुवधि, महेशपुर में मार्ग सुवधि केंद्र तथा कुरदर में इको टूरिस्ट डेस्टीनेशन के रूप में वकिसति कयिा गया है।
- इसी प्रकार सरोधा दादर में एथनिक पर्यटन ग्राम, गंगरेल में इको एथनिक टूरिस्ट डेस्टीनेशन, नथयानवागाँव में मार्ग सुवधि केंद्र, कोण्डागाँव में एथनिक पर्यटक ग्राम, जगदलपुर में एथनिक टूरिस्ट डेस्टीनेशन (लामनी पार्क-कैफ़ेरेयिा पार्कगि), चत्रिकोट में इको एथनिक टूरिस्ट डेस्टीनेशन और तीरथगढ़ में इको एथनिक टूरिस्ट डेस्टीनेशन (नेचर ट्रेल, सीढ़ियीं रेलगि) के रूप में वकिसति कयिा गया है।
- स्वदेश दर्शन योजना फेस-2 के अंतर्गत इको टूरिज़्म सर्कटि की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इस सर्कटि में चलिफ़ी घाटी, अचानकमार-अमरकंटक घाटी एवं हसदेव बांगों डैम के सीमावर्ती क्षेत्र को शामिल कयिा गया है। प्रस्तावति योजना की लागत 81 करोड़ 26 लाख रुपए है।